हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, सोमवार 8 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

बनने से पहले ही धराशाई ना हो जाए थांवर पुल

नैनपुर। विगत कई वर्षो से मंडला सिवनी मार्ग पर थांवर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, जो अभी भी निर्माणाधीन है। अभी पुल का कार्य पूरा नहीं हो पाया है। पुल का निर्माण कार्य इसलिए कराया जा रहा है कि बारिश के दौरान आवाजाही में आमजनो, राहगीरों, यात्रियों को परेशानी का सामना ना करना पड़े। यहां बारिश के दौरान इस मार्ग पर एक छोटा पुल बना हुआ है जो थोड़ी सी बारिश में बाढ़ की चपेट में आ जाता है। जिसके कारण आवागमन अवरूद्ध हो जाता है। इसी असुविधा से निपटने इस मार्ग पर थांवर पुल का निर्माण कराया जा रहा है। फिलहाल इस वर्ष भी बारिश शुरू होते ही पुराना पुल जर्जर हो गया है। बाढ़ की स्थिति में फिर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जानकारी अनुसार विगत कई वर्षो से थांवर पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो अभी पूरा भी नही बन पाया है। बताया गया कि विगत वर्ष बारिश के दौरान पुल निर्माण कार्य के लिए पुल में सेटिंग लगाई गई थी, जो जोरदार बारिश की चपेट में आने के कारण सेंटिग बह गई थी। लोगों का कहना है कि संबंधित ठेकेदार की लापरवाही के चलते थांवर पुल कहीं बनने से पहले धराशाई ना हो जाए। बताया गया कि पिछली दो बारिशों में भी पुराना थांवर पुल बह गया था। यह पुल अंग्रेजी शासन काल का पुल है, जो धीरे-धीरे जर्जर हो चुका है। विगत वर्ष इस पुल की मरम्मत कराकर इसे चलने लायक बनाया गया था।

9वें वर्ष हुआ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का आयोजन

भव्यता के साथ निकली श्री जगन्नाथ की यात्रा

*** जगह-जगह हुआ स्वागत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जगन्नाथ महाप्रभु को स्वस्थ्य होंने के बाद रविवार को श्री सिद्धघाट रेवा दरबार रपटा घाट में जगन्नाथ स्वामी की विधि-विधान से पूजन अर्चन की गई। भगवान को काजल लगाने के बाद फलों का भोग लगाया गया। जिसके पश्चात महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा नगर में निकाली गई। रथयात्रा श्री सिद्धघाट रेवा दरबार रपटा घाट से निकाली गई जो नेहरू स्मारक, स्टेट बैंक चौराहा, लालीपुर, बस स्टेण्ड, चिलमन चौक होते हुए पड़ाव पहुंची जहां पर रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया यहां पर विकास ट्रेवल्स के संचालक एवं परिजनों के द्वारा एवं श्रमजीवी पत्रकार परिषद के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों के द्वारा भगवान जगन्नाथ स्वामी पर पुष्पवर्षा करते हुए महाआरती की गई इस दौरान भगवान जगन्नाथ स्वामी को कड़ी और भात का भोग लगाया गया और जमकर जयकारे लगाए गए। विकास ट्रेवल्स के संचालक विकास जायसवाल ने बताया कि वे हर वर्ष भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का स्वागत करते हैं और उन्हें विभिन्न प्रकार के भोग लगाते है उनकी महिमा और आर्शीवाद से कभी कोई वंचित नही रहा है। इस दौरान सिद्ध घाट मां रेवा दरबार के संस्थापक रामप्रसाद ठाकुर ने बताया कि इस रथ यात्रा के निकलने के पीछे कई मान्यताएं हैं कहते हैं कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के रूप में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम के साथ अपनी बहन सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए ले जाते हैं ऐसा माना जाता है कि इतिहास में भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर घूमने की इच्छा जाहिर की जिसके बाद बहन की इच्छा पूरा करने के लिए भगवान जगन्नाथ ने 3 रथ बनवाए और सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ यात्रा पर ले गए सबसे आगे वाला रथ भगवान बलराम का बीच वाला रथ बहन सुभद्रा के और सबसे पीछे वाला रथ भगवान जगन्नाथ का होता है इसी मान्यता के साथ एक और कहानी जुड़ी है कहते हैं जब भगवान जगन्नाथ सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ यात्रा पर निकले तो रास्ते में ही उनकी मौसी के घर गुंडिचा भी गए और वहां 7 दिन ठहरे भी जिसके बाद से ही हर साल इस रथ यात्रा को निकालने की परंपरा शुरू हुई। सिद्ध घाट माँ रेवा दरबार के अध्यक्ष पूरन सिंह ठाकुर ने बताया कि भगवान जगन्नाथ पद्म पुराण के मुताबिक भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने एक बार नगर देखने की इच्छा जताई थी। उस वक्त भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और अपनी लाडली बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने के लिए निकल पड़ते हैं। इसका जिक्र ब्रह्म पुराण और नारद पुराण में भी है। मान्यताओं के अनुसार, अपने मौसी घर में ठहरने के दौरान भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ खूब पकवान खाते हैं और फिर वे बीमार पड़ जाते हैं इसके बाद उनका इलाज किया जाता है और फिर स्वस्थ होने के बाद अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। वरिष्ठ समाजसेवी संजय चौरसिया ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जगतपति जगदीश्वर महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी बीमार हो गए थे ज्येष्ठ मास की गर्मी में शीतल जल में स्नान करने के कारण प्रभु को जुकाम हो गया था इसलिए उनके उपचार के लिए दलिया, फलों का रस प्रतिदिन उन्हें दिया गया। वरिष्ठ समाजसेवी विंदी शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म में रथ यात्रा का खास महत्व है मान्यताओं के मुताबिक, रथयात्रा निकालकर जगन्नाथ महाप्रभु को प्रसिद्ध गुंडिचा माता मंदिर पहुंचाया जाता है यहां भगवान 7 दिनों तक आराम करते हैं इस बीच गुंडिचा माता मंदिर में खास तैयारियां की जाती है. इंद्रद्युम्न सरोवर से मंदिर की साफ-सफाई के लिए जल लाया जाता है। इसके पश्चात जगन्नाथ भगवान की जगन्नाथ मंदिर में वापसी के लिए यात्रा शुरु होती है रथ यात्रा की सबसे खास महत्व यह है कि यह पूरे भारतवर्ष में एक महोत्सव की तरह निकाली जाती है। वहीं यात्रा पड़ाव से वापस चिलमन चौक होते हुए उदयचौक, सिटी कोतवाली, स्टेट बैंक चौराहा, नेहरू स्मारक होते हुए वापस सिद्धघाट रेवा दरबार पहुंची जहां यात्रा का समापन किया गया। इस दौरान पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, अध्यक्ष पूरन सिंह ठाकुर, समाज कल्याण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कैलाश डेहरिया, विक्की जायसवाल, मूलचंद साहू, अखिलेश सोनी, डॉ हरिओम नंदा, रंजीत कछवाहा, किशोर रजक, राजा शुक्ला, रोहित बघेल, मनीष मिश्रा, अनमोल अग्रवाल, आशीष चौरसिया, विजय अग्रवाल, कमलेश सचान, विनोद पटैल, श्रीमति उमा यादव, श्रीमति रागिनी हरदहा, श्रीमति आशा खरबंदा, श्रीमति सीता परतेती, पूर्णिमा रजक, माया रजक, श्रीमति ज्योति जायसवाल, श्रीमति निधि मरावी, श्रीमति रेखा चौरसिया, के साथ सैकड़ो की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत संपूर्णता अभियान प्रारंभ

नारायणगंज। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा देश भर में पांच सौ विकासखंडों को आकांक्षी विकासखंड योजना में शामिल किया गया है। जिसमें नारायणगंज, मवई विकासखंड भी शामिल है। विभिन्न मानकों के आधार पर अन्य ब्लॉक की तुलना में पिछड़े इन आकांक्षी विकासखंडों में निर्धारित सूचकांकों में अपेक्षित प्रगति के लिए जनवरी आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम शुरू किया गया है। इन विकासखंड में आगामी 30 सितंबर तक संपूर्णता अभियान चलाकर निर्धारित 6 सूचकांकों में नियत लक्ष्य की शतप्रतिशत पूर्ति की जाना है। नारायणगंज में शनिवार को संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कन्या हायर सेकंडरी स्कूल की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सभी अतिथियो का फूल-माला व गुलदस्ते भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद कार्यक्रम में विभागीय उद्बोधन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम का प्रतिवेदन जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी गौरी शंकर डेहरिया द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें यह बताया गया कि आकांक्षी विकासखंड के अंतर्गत विभिन्न विभागो के 40 संकेतांको पर कार्य किया जाना है। लेकिन विशेष रूप से 30 सितंबर तक कुल 6 संकेतांको को संतृप्त किया जाना है। जिनमें गर्भवती महिलाओ का प्रथम तिमाही में पंजीयन, कुल लक्षित जनसंख्या में हाईपरटेंशन की जांच, कुल लक्षित जनसंख्या में मधुमेह की जांच, गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषण आहार की उपलब्धता आदि शामिल हैं। महिला बाल विकास अधिकारी ने बताया कि हम इस लक्ष्य को समय से पहले पूर्ण करने का प्रयास करेंगे।

लालपुर गांव में पुल पार करते बहा युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/पिण्डरई

पिंडरई पुलिस चौकी क्षेत्र के लालपुर गांव में शनिवार रात्रि 8 बजे के आसपास आलोन नदी में अचानक बाढ़ आने के कारण पुल के ऊपर पानी बह रहा था। जहां नैनपुर से घंसौर जा रहे दो युवक पुल पार करते समय अनियंत्रित होकर तेज बहाव में बह गए। इस घटना में एक युवक तैरकर एक किनारे में लग गया। दूसरा युवक तेज बहाव में बह गया। जिसकी तालाश समाचार लिखे जाने तक जारी रही। घटना की खबर लगते ही पिंडरई चौकी प्रभारी राजकुमार हिरकने और उनकी टीम घटना स्थल पर पहुंची। जिला मुख्यालय से एसडीईआरएफ की टीम भी रात से ही रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई है। लगातार बढ़ते पानी के कारण रेस्क्यू में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। युवक की तलाश में परिजन सहित क्षेत्र के ग्रामीण भी लगे हुए हैं। रविवार की सुबह नैनपुर थाना प्रभारी बलदेव सिंह मुजलदा भी मौके पर पहुंचे हैं। लगभग 20 किलोमीटर नदी में रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है।

जानकारी अनुसार घटना शनिवार देर रात की है, जिसमें निखिल धुर्वे और अभिलाष भलावी हीरो स्प्लेंडर बाइक क्रमांक एमपी 51 एमए 8271 से नैनपुर से घंसौर जा रहे थे। उसी दौरान ग्राम लालपुर के नजदीक हालोन नदी के पुल पर पानी के तेज बहाव में बाइक अनियंत्रित हो कर नदी में गिर गई। बाइक के साथ दोनों युवक भी नदी में समा गए। अभिलाष भलावी तैरकर नदी से सुरक्षित बाहर निकल आया। जबकि निखिल धुर्वे तेज बहाव में बह गया।

सूचना मिलने पर पिंडरई पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर युवक की तलाशी के प्रयास किए गए। लेकिन रात में अंधेरा होने के कारण सफलता नहीं मिली। बताय गया कि युवक की तलाश के लिए रविवार सुबह एसडीईआरएफ की टीम बुलाई गई गई। जिसके माध्यम से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अंतिम जानकारी मिलने तक नदी में बही बाइक तो मिल गई है, लेकिन युवक का कहीं पता नहीं चल सका है। युवकी की तलाश समाचार लिखे जाने तक जारी रही। बहाव तेज होने से तलाशी अभियान में दिक्कत आ रही है। लेकिन मौके पर पुलिस, एसडीआरएफ, राजस्व विभाग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद हैं। सभी के सहयोग से तलाशी अभियान चल रहा है।

मां रेवा आश्रम सिलपुरा में होगी शिवलिंग की स्थापना

मण्डला। माँ रेवा आश्रम सिलपुरा में साध्वी मनीषानंद के प्रयास से आकर्षक मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जहां 15 जुलाई के मध्य वृहद शिवलिंग की स्थापना की जाएगी। जानकारी के अनुसार आश्रम में मां नर्मदा परिक्रमा वासियों की निरंतर सेवाएं प्रदान की जा रही है। आश्रम में पूरे वर्ष नर्मदा परिक्रमा वासियों की सेवा की जाती है और उत्तरवाहनी परिक्रमा के अवसर पर सभी परिक्रमवासी कुछ समय विश्राम आश्रम में करते हैं। जुलाई माह में भोले बाबा का भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

विडम्बना | **पाइपलाइन बिछाने के नाम पर ठेकेदार ने खोद डाली सड़क।**

काली मिट्टी के कारण सड़क हुई नाले में तब्दील

*** ग्रामवासी हो रहे परेशान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

पाइप लाइन विस्तार योजना के तहत नगर परिषद् के वार्ड 1 (जुएक) एनएच 30 मुख्य मार्ग भुआ स्कूल से घुघराटोला तक हालोंन परियोजना से हर घर, गांव गांव पानी योजना अन्तर्गत कल्पतरू एजेंसी के ठेकेदार द्वारा पाइप लाइन डालने घुघराटोला मार्ग इतने रद्दी तरह से खुदाई कार्य कराया गया की पूरी रोड क्षतिग्रस्त हो गई, पाइप लाइन डलने के बाद ठेकेदार के द्वारा रोड का कोइ सुधार कार्य किये बिना ही भाग गया जबकि वार्ड के पार्षद ग्रामवासियों ने जब सड़क के सुधार कार्य के लिए बोला तो उनके द्वारा सुधार कार्य करने का आश्वासन दिया था आज लगभग 6 माह हो गए मगर सड़क का कोई सुधार कार्य नहीं किया गया जिसके परिणाम स्वरूप बारिश की शुरुआत में ही सड़क का लगभग एक किलोमीटर मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है मार्ग में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए और पूरे मार्ग में जगह-जगह पानी भरने से कीचड हो गया, पाइप लाइन खुदाई कार्य की मिट्टी रोड में डाल दी गई जिससे रोड चलने लायक नहीं रही, रोड के खराब होने से गांव के लोगो को नगर आने जानें स्कूल के बच्चो का स्कूल जाना बंद हो गया मोटर साईकिल रिक्शा चालक हो वाहन चालक सभी रोड से जानें के लिए इतराज करने लगे, सड़क निर्माण को लेकर ग्रामवासियों ने नगर पालिका अधिकारी को सड़क सुधार कार्य के लिए ज्ञापन सौंपा जिसमें निवेदन किया है की रोड को अतिशीघ्र सुधारा जाए जिससे आवागमन सुलभ हो सके।

इस संबंध को लेकर जब नगर परिषद् के सबिंजीनियर से बात की तो उन्होंने बताया इस संबंध उन्हे कोइ जनकारी नही है और न पाइप लाइन बिछाने के पूर्व ठेकेदार ने कोइ जानकारी दी है हम लगातर रोड के सुधार कार्य को लेकर उससे सम्पर्क बना रहे हैं, ताकी रोड का सुधार कार्य शीघ्र हो सके।

रोड सुधार कार्य में पाइप लाइन विस्तार को लेकर खोदी गई रोड में पूरी तरह काली मिट्टी डाल दी गई है जिससे वार्डवासियों को आवागमन में परेशानी हो रही है गाड़ियाँ फिसल रही है और दुर्घटना हो रही है ग्रामवासी परेशान है।

इनका कहना है :-

पाइप लाइन का कार्य 4–6 महीने पहले किया गया था किन्तु सुधार कार्य अब तक किया गया।

प्यारेलाल कोराम पार्षद
वार्ड क्रमांक 01 नगर परिषद
बिछिया

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया ग्रामवासियों को सड़क के कारण परेशानी हो रही है तो जल मिशन को मेने पत्र लिखा है शीघ्र सड़क सुधार कार्य किया जाए।

एल.एस.सारस
मुख्य नगर पालिका अधिकारी

ग्राम ठरका में डायरिया का प्रकोप, एक दर्जन से अधिक पीड़ित

*** स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची गांव, की जा रही पेयजल की जांच।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला विकासखंड के ग्राम ठरका में अचानक डायरिया बीमारी फैल गई। ग्राम से करीब 15 लोग डायरिया बीमारी के उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक साथ एक दर्जन से अधिक लोग डायरिया की चपेट में आने के बाद प्रशासन अर्लट हो गया है। ठरका गांव में स्वास्थ्य विभाग और पीएचई की टीम जानकारी लगते ही पहुंच गई। यहां गांव में नल योजना से सप्लाई होने वाले पानी का सैंपल लिया गया और दवाई का छिड़काव ग्राम में किया जा रहा है।

जानकारी अनुसार मंडला विकासखंड के ग्राम ठरका में करीब 15 लोगों को उल्टी दस्त की शिकायत होने पर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जहां उपचार के बाद सभी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। सीएमएचओ, ईई पीएचई, एसडीएम, सीईओ जनपद सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में ग्राम के प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही पानी की जांच की जा रही है। बताया गया कि ग्राम ठरका पीएचई मंत्री संपतिया उइके के गृहग्राम से लगा हुआ है। खबर सामने आने के बाद प्रशासन भी अलर्ट हो गया है।

गांव में स्वास्थ्य और पीएचई की टीम को भेजा गया है। गांव में नल योजना से सप्लाई होने वाले पानी का सैंपल लिया गया और दवाई का छिड़काव किया जा रहा है। उल्टी दस्त के मरीजों की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। नलजल से सप्लाई होने वाले पानी से संक्रमण की आशंका को देखते सप्लाई बंद कर दी गई है। यहां पर प्रशासन द्वारा ग्रामीणों के लिए टैंकरों से पीने के पानी की व्यवस्था की गई है।

सैम्पल लेकर डलवाई गई दवाई

बताया गया कि शनिवार रात ठरका ग्राम में उल्टी दस्त की शिकायत आई। जिनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रशासन को इसकी जानकारी लगी, जिसके बाद सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमठ भी जिला अस्पताल पीड़ित मरीजों से मिलने पहुंचे। जहां मरीजों से बात की। सीईओ श्रेयांस कूमठ ने बताया कि डायरिया की शिकायत के बाद स्वास्थ्य और पीएचई की टीम को रवाना किया गया। रात में करीब 11 लोगों को गांव से जिला अस्पताल लाया गया और सुबह भी कुछ लोग आए हैं। प्राथमिक तौर पर नल जल से सप्लाई होने वाले पानी से संक्रमण की आशंका को देखते हुए पीएचई ने पानी के सैंपल लिए हैं और दवाई डलवाई जा रही है।

खबर संक्षेप

सेवा सहकारी समिति बसुरिया में मूंग खरीदी केंद्र का हुआ शुभारंभ

सालीचौका। शासन द्वारा किसानों की समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी किये जाने के चलते बीते हुये दिवस सेवा सहकारी समिति बसुरिया में मूंग खरीदी का शुभारंभ बीते हुये दिवस स्वर्ण परी बेयर हाऊस में संध्या कालीन गोधूलि बेला में समिति प्रबंधक सतीश सोनी, जीपी अहिरवार प्रशासक तथा अरविंद कौरव शाखा प्रबंधक व क्षेत्र के किसान जागेन्द्र लोधी आमाडा, भागीराम पाली जाईखेड़ा ने तोल कांटे की पूजन अर्चन कर समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया गया। बताया जाता हे कि इस मौके पर स्वर्ण परी वेयरहाउस संचालक जितेंद्र राय के अथक प्रयास और सहयोग से मूंग खरीदी का कार्य प्रारंभ हुआ। वही इस शुभारंभ के मौके पर सोनू वर्मा कंप्यूटर , सत्यम वर्मा , हेमंत मेहरा छुटटू वर्मा, खूबचंद पटैल, ओपी सराठे, राजू गुर्जर सहित सभी हम्माल मौजूद थें। वही समिति प्रबंधक सतीश सोनी ने बताया कि कल सोमवार के दिन से मूंग खरीदी केंद्र में तेजी आएगी वहीं जिन किसान भाइयों ने अपनी सलाड बुक की है वह अपनी मूंग की फसल खरीदी केंद्र में लेकर कर आये जो आसानी से अपनी मूंग का विक्रय कर सकते है।

निर्मल ग्रामों की बर्बादी

सांईखेड़ा। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है, इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। वही दूसरी ओर गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी आफिसों में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक चंद वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, वही पूर्व के समय में गांवों में बनाये गये शौचालय की स्थिति भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है कि वह कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गये है तो हजारों रूपया की लागत से बनाये गये कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दलदल निर्मित हो गयी है, इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया है, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है और दूसरी ओर सड़कों की गुणवत्ता को दरकिनार करते हुए कमीशन की आड़ में अधिकारियों द्वारा उन्हें पास कर दिया गया है जो चंद दिनों के बाद भी टूटना शुरू हो चुकी है।

शमशान घाट पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा

सांईखेड़ा। इस समय जिस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा गांव गांव पक्के शमशान घाट इस सोच के चलते निर्मित कराये जा रहे है कि आदमी की जीवन की अंतिम यात्रा तो सुखमय तरीके से पूर्ण हो सके और जब किसी व्यक्ति की जिन्दगी समाप्त होने के बाद जब उसे अंतिम संस्कार करने के लिए ले जावे तो लोगों को कुछ शांति का अहसास हो सके? मगर इस समय जिस प्रकार से सांईखेड़ा के शमशान घाट की सच्चाई देखी जा रही है उसके चलते सरकार की संपूर्ण विकास कार्यो पर सबालिया निशाल लगने से नही बच पा रहे है? क्योंकि नगर का एक मात्र शमशान घाट अनेक प्रकार की अव्यवस्थाओं से घिरा हुआ दिखाई पड़ रहा है, जिसके उद्वार हेतु किसी भी प्रकार की सोच नही होने के कारण जहां यह शमशान घाट चारो ओर गंदगी से घिरा हुआ है। अतिक्रमण होने के कारण नगर का शमशान घाट मुश्किलों के बीच अपना दामन बचाने के लिए जूझते हुए देखा जा रहा है।

धूमधाम से निकली भगवान जगदीश जी की रथ यात्रा

जगन्नाथ का भात जगत पसारे हाथ का वितरण करते हुये नगर में भ्रमण किया जगदीश्वर भगवान ने, वही दूसरी ओर जगह जगह लोगों ने भगवान की पूजा कर लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भगवान जगन्नाथ जगत के नाथ है और वह वर्ष में एक बार उनके रथयात्रा महोत्सव के दिन अपना सिंहासन छोड़ते हुए वह भक्तों के बीच आकर उनकी मनोकामनाएं पूरी करते है। धर्म शास्त्रों में इस बात का उल्लेख है कि जो व्यक्ति भगवान जगन्नाथ के रथ के रस्से को पकड़ कर एक कदम भी आगे चलता है उसे एक अश्व मेघ यज्ञ करने के बरबार का पुण्य प्राप्त होता है और जो भक्त भगवान जगन्नाथ से रथ यात्रा महोत्सव का साक्षी बनता है उसे अपने जीवन की समाप्ति पर भगवान धाम की प्राप्ति होती है। इन मान्यताओं के आधार पर शहर के प्राचीन जगदीश मंदिर से भगवान जगन्नाथ जी की हर वर्ष भव्य रथयात्रा निकालने की परम्परा चली आ रही है उसी के चलते रविवार को इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम के साथ निकाली गई। क्योंकि जीव जगत के सृष्टा भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा इसी परम्परा की कड़ी में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया पर कल सोमवार को नगर के जगदीश मंदिर से डी जे साउंड सहित ढोल ढमाकों की धूमधाम व लतहराती धर्म ध्वजाओं के साथ संत व महात्माओं के सानिध्य में निकाली गई जिसमें नगर के प्रथम नागरिक नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, पार्षद आनंद दुबे, सुरेन्द्र द्विवेदी व अन्य लोगों ने रथ को खीचते हुये शुरूआत की गई। इस तरह भगवान जगन्नाथ जी की इस रथयात्रा के दौरान शहर में श्रद्वा, भक्ति के अद्भूत नजारे देखने मिले। वही दूसरी ओर शहर के श्रद्वालु पुरूषों, महिलाओं के साथ युवाओं तथा बच्चों ने भगवान जगन्नाथ का पूजन, दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया और भगवान जगन्नाथ का जयघोष किया। वही रथ के साथ चल रहे प्रसादी वितरण में जगन्नाथ के भात की प्रसादी को आदर के साथ ग्रहण की गई। क्योंकि भगवान जगदीश जी की भांत की कहावत है कि जगन्नाथ का भांत जगत पसारे हाथ के चलते नगरवासी भगवान का भांत रूपी प्रसादी लेने के लिये भगवान के सामने भीड़ लगाते हुये देखने मिली। क्योंकि रथ यात्रा को दौरान वितरण होने वाली भात की इस प्रसादी को लेकर लोग अपने घर के रसोई भंडारे में मिलता है तो वह कभी खाली नही होता है। इसी मान्यता के चलते लोग भगवान की रथ यात्रा के दौरान वितरण होने वाली भगवान की आर्शीवाद स्वरूप प्रसादी जगननाथ का भात को ले जाकर अपने भंडारे में जरूर रखते है। इस प्रकार से भगवान जगदीश की की यह रथ यात्रा नगर के जगदीश मंदिर से निकलते हुये सराफा बाजार से होते हुये हृदय स्थल झंडा चौक पहुंचने के बाद आगे की ओर रवाना हुई। इस तरह नगर के मुख्य मार्गो पर भगतों की भीड़ लगातार बढते ही क्रम में देखने मिली। इस प्रकार से नगर के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि हाथ फैलाकर लोगों पर कृपा लुटा रहे सुसज्जित रथ पर अपने बड़े भाई बलदेव व बहिन सुभद्रा के साथ विराज मान भगवान जगत के नाथ नगरवासियों को आर्शीवाद प्रदान कर रहे थें। इस दौरान देखा गया कि रथ को कुछ समय तक रथ को खीच रहे संतों ने श्रद्वालुओं का उत्साह बढ़ाया गया। यह भगवान जगन्नाथ जी के रथ की शोभायात्रा नगर के जगदीश मंदिर से शुरू होकर पुरानी गल्ला मंडी, झंडाचौक, चौकी मुहल्ला, चांवडी रोड से पानी टंकी होते हुए पलोटन गंज, शासकीय चिकित्सालय मार्ग से निकलकर विजय कालोनी से निकलते हुये पुनः पानी टंकी मार्ग से महावीर भवन के मुख्य मार्ग से श्याम टाकीज होतु हुए पटैल वार्ड मालगुजार परिवार में पहुंची जहां पर रात्रि में भगवान जगन्नाथ के रात्रि विश्राम का कार्यक्रम निर्धारित है। वही भगवान जगन्नाथ के रथयात्रा महोत्सव के आयोजन में जगदीश मंदिर के महंत की अहिम भूमिका रही। वही यात्रा में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में नगर निरीक्षक उमेश तिवारी सहित अन्य पुलिस प्रशासन ने भी अनुशासन बनाये रखने का सराहनीय कार्य किया। वही इस रथयात्रा के दौरान अनेक संतो सहित क्षेत्र के अनेक नेताओं के आलवा नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, प्रवेश राय, सोनू पटैल, रीतेश राय सहित अन्य लोग शामिल होकर भगवान जगदीश्वर का रथ खीचलते हुये देखे गये। इस प्रकार से भगवान की जगदीश की रथयात्रा के चलते संपूर्ण नगर धर्ममय होते हुये देखा गया।

भामा वार्ड के आंगवाडी केन्द्र में तिवारी द्वारा बुला बुलाकर किया जा रहे है के वाय सी का कार्य

गाडरवारा।

आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिये शासन द्वारा बनाये गये माप दंडों का पालन करना जरूरी है। क्योंकि शासन द्वारा बनाये गये नियमों के साथ आम व्यक्ति अपने घर बैठे हुये शासन की योजनाओं का लाभ ले सकता है। मगर उसके चलते शासन द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करने के लिये अपने दस्तावेजों को सुधार करना पडेगा। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि लोग पात्र होने के बाद भी अपने दस्तावेजों में गड़बडी के चलते शासन की योजनाओं का लाभ लेने से बंचित हो जाते है। इस तरह की गडबडियो में सुधार लाने के लिये शासन द्वारा ग्राम पंचायतों से लेकर नगर पालिका स्तर पर लगातार मुहिम चलाते हुये लोगों के घर खबर पहुंचकर उनके दस्तावेजों में सुधार कराया जा रहा है। क्योंकि शासन के योजना का लाभ लेने के लिये सबसे अधिक जरूरी होता है कि हर व्यक्ति का आधार कार्ड अपनी परिवार आई डी से लिंक होना जरूरी माना जाता है। मगर अनेक लोगों के आधार कार्ड परिवार समग्र आई से जुडे नही होने के चलते वही शासन की योजनाओं का लाभ लेने से बंचित देखे जा रहे है। इसी तरह हर पात्र हितग्राही को शासन की योजना का लाभ प्रदान करने के लिये नगर पालिका के मुख्य अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा अपने वार्ड के प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वह अपने वार्डो में लगातार भ्रमण करते हुये लोगों को खबर पहुंचकर उनके समग्र आई डी से आधार कार्डो को लिंक करे। इसी के चलते बीते हुये दिवस नगर के भामा वार्ड आंगनबाडी केन्द्र में वार्ड प्रभारी अंकित तिवारी व अनीता साहू तथा सहायिका कृष्णा मेहरा द्वारा वार्डवासियों के घर घर सूचना पहुचाते हुये उन्हें बुलाकर आधार कार्डो को समग्र आई डी से लिंक कराने का कार्य कराया गया।

सहावन से केसला तक बनी सड़क नही चल पाई परे पांच साल

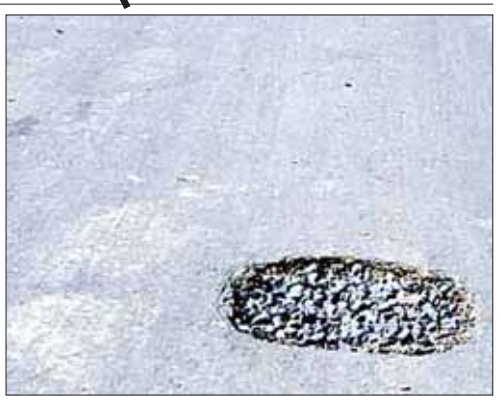

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों को विकास करने की सोच रखते हुए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण कराने के लिए प्रधान मंत्री सड़क से लेकर मुख्यमंत्री सड़क योजना चलाते हुए करोड़ो रूपया खर्च किये जा रहे है, इतना ही नही ग्रामीण क्षेत्रों की सूरत बदलने के लिए क्षेत्र के नेताओं द्वारा प्रयास किये जाने का परिणाम है कि क्षेत्र में लगातार पक्की सड़कों की स्वीकृति प्रदान कराने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। मगर इन सड़को के निर्माण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सियों द्वारा जिस प्रकार से निर्माण कार्य में बरती जा रही गफलत बाजी का परिणाम है कि वह सड़क जहां समय अवधि मे पूर्ण होते हुए दिखाई नही देती है या फिर इन सड़को का निर्माण होने के चंद दिवस बाद ही यह सड़क अपने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की कहानी स्वयं ही बताने से नही चूकती है? जिनकी शिकायते होने के बाद भी संबंधित अधिकारियों की चुप्पी जहां सड़कों में चलने वाली गफलबाजी में हिस्सेदार होने का संकेत देते हुए दिखाई पड़ने से नही चूकते है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से समय पर निर्मित न होने व निर्मित होने के बाद चंद दिनों में टूटने वाली सड़कों की सच्चाई को लेकर क्षेत्र के नेताओं द्वारा चुप रहना अनेक संदेहो की जन्म देने से नही चूकते है? इस स्थिति में सरकार द्वारा सड़को के नाम पर खर्च की जाने वाली सरकारी राशि का सही उपयोग होने की उम्मीद करना बड़ा ही मुश्किल नजर आने लगा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका क्षेत्र में निर्मित हुई प्रधानमंत्री ग्राम सड़कों के निर्माण में भी देखने मिल रहा है जहां पर इन सड़को के निर्माण की तिथि निकल जाने के बाद भी सड़को का निर्माण नही होने के कारण ग्रामीणों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर कुछ जगहों पर तो इस प्रकार से पांच साल की गारंटी वाली प्रधानमंत्री सड़के अपने निर्माण के चंद महिनों के बाद ही टूटना शुरू हो हो रही है जिससे सड़क निर्माण के गुणवत्ता की सच्चाई उजागर होने के साथ साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत का प्रमाण भी सामने आने से नही चूक रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सहावन से ग्राम केसला तक निर्मित हुई प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क को देखते हुए जान पड़ रही है जहां पर पांच साल की गारंटी वाली इस सड़क के निर्माण को पांच साल भी पूरे नही हो पाये और सड़क का जिस प्रकार से उखड़ना शुरू हो गया है उसके चलते सड़क निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी सड़क स्वयं ही बताने से नही चूक रही है? बताया जाता है कि प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम सहावन से ग्राम केसला तक कुल लम्बाई 2.3 किलो मीटर जिसकी लागत अनुमानित तौर पर 100.04 लाख रूपया मौके पर लगे हुए निर्माण संबंधी वोर्ड में दर्शाई गई है। वही इस सड़क का निर्माण किसी श्रीराम कंस्ट्रस्क्शन कंपनी महावीरपुरा मुरैना द्वारा किया गया था। जानकारी के अनुसार सड़क का निर्माण होने के बाद निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की पांच वर्ष तक की गारंटी थी? वही इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू 2 सितम्बर 2016 को हुआ तथा सड़क का निर्माण कार्य 1 सितम्बर 2017 को पूर्ण हुआ है। इस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण होने की तिथि के अनुसार अभी इस सड़क के निर्माण कार्य को लगभग गारंटी पीरियट ही नही निकल पाया है और जिस प्रकार से सड़क में जहां तहां निकल रहे गड्ढे सड़क की गुणवत्ता को उजागर करने से नही चूक रहे है, जिसके चलते इस सड़क को पास करने वाली उन अधिकारियों की मिलीभगत होने की सच्चाई भी उजगार होने से भी नही चूक रही है।

शिविर में 132 मरीजों को मिला निःशुल्क उपचार सहित दवाईयां

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

श्री सत्य साई भजन मंडली कान्हर गांव के साई युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है., को चरितार्थ करते हुये। हर माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हर गांव) में निःशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। जिसके चलते बीते हुये रविबार को आयोजित किये गये 59 वें मेडीकल कैम्प के दौरान 3 शहरों सहित लगभग 27 गावों गांवों से आये हुये 132 मरीजों ने अपना उपचार करवाया। साथ ही साई युवाओं द्वारा सभी मरीजों को अपनी ओर से निःशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही बताया जाता है कि आयोजित किये गये इस मेडीकल केंप पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये जहां पालिथिन मुक्त रखा गया तो दूसरी ओर लोगों को अपनी माँ के नाम एक पेड रोपित करने के लिये भी जागरूक करते हुये स्वाच्छता के लिये सचेत किया गया। क्योंकि इस समय चल रहे मौसम में जहां मच्छरों की पैदावार में इजाफा होते हये देखा जा है जिसके चलते गंदगी न होने देने की सलाह देते हुये अपने घर तथा आसपास के महौल को पूर्णरूप से साफ सफाई के साथ घरों की टंकियों कूलर या फिर अन्य वर्तनों में एकत्र होने वाले पानी पर ध्यान देने की बात कहते हुये मौजूद डाक्टरों ने बताया कि जब एक जगह एकत्र होने वाले पानी को अधिक समय हो जाता है तो उसमें पैदा होने वाले मच्छर बीमारी का कारण बनते है। इस तरह साफ सफाई व स्वच्छता का संदेश के साथ पर्यावरण की रक्षा को लेकर पन्नी के उपयोग से दूर रहने की बात के साथ सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी। मेडीकल कैम्प में डाक्टर ए,पी सिंग, डाक्टर, स्वाती कुरचानिया, डा,संजय मोदी, डा,उपेन्द्र बस्त्राकार, डा, अरूण दोहरे, सहयोगी राहुल गोस्वामी, बबलू भाई दबाईबाले, प्रशांत सोनी सहित भजन मंडली कान्हर गांव के साई युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान की गई। वी आयोजित किये गये इस मेडीकल कैम्प में इटारसी, जबलपुर, तेदूखेड़ा, महलबाड़ा, बरमान, कोटरी, दहलबाड़ा, खेरूआ, नांदनेर, धनौरा, चीचली, डगहां रायपुर सैठान, मगरमुहां, भेरोपुर, डूमर, खुर्शीपार, पालीखेरी, बेलखेड़ी, महगवां कला, कान्हरगाव सहित अनेक गावों के मरीजों ने पहुंचकर लाभ लिया।

किसानों को नही मिल पा रहा है शासन की योजनाओं का लाभ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण कस्बे में निवास करने वाले किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाए चलाई जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रिडिट कार्ड, फसल बीमा योजना आदि शामिल है। वही किसानों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोली गई है, मगर अक्सर देखा जाता है कि इन बैकों में बैठे अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों को शासन की योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है, इसका उदाहरण इस समय शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंक में देखा जा रहा है, क्षेत्र के किसानों द्वारा आरोप लगाते हुए बताया है।

झिकोली पुल के ऊपर घंटों खड़ी बसें

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। सरकार द्वारा नरसिंहपुर जिले को रायसेन जिले से जोड़ने के लिए इस मार्ग पर झिकोली नर्मदा में पुल का निर्माण कराया गया है जिसके चलते जहां आम लोगों को राजधानी पहुंचने में आसानी हो रही है, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नर्मदा भक्तों को भी माँ नर्मदा स्नान करने के लिए आने जाने में लाभ मिल रहा है, मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि वाहन चालकों की मनमानी के चलते इस पुल पर घंटो तक वाहन खड़े करते हुए मटर गस्ती करने के कारण किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि उदयपुरा व गाडरवारा के बीच चलने वाली बसों के चालकों द्वारा अपनी सुविधा को ध्यान में रखते हुए घंटो तक पुल पर ही बसों को खड़ा करके सबारियों का इंतजार करते हुए देखा जाता है, वही कुछ इसी प्रकार से डम्फर चालकों का हाल भी देखने मिल रहा है जो घंटो से बीच पुल पर डम्फरों को खड़ा किया जाता है जिसके चलते जहां पुल से निकलने वाले वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर पैदल निकलने वाले लोग भी परेशान होते हुए देखे जा रहे है? इस प्रकार की सच्चाई को देखते हुए किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? ज्ञात हो कि कुछ वर्ष पूर्व इस प्रकार से वाहन निकलते वक्त इस पुल से दो मासूम कन्याओं की गिर जाने के कारण मौत भी हो चुकी है। मगर इसके बाद भी इस प्रकार से बस संचालकों व डम्फरों के चालकों द्वारा की जा रही।

स्टैट हाईवे गाडरवारा करेली मार्ग पर निकल रहे गड्ढों के चलते वाहन चलना हुआ मुश्किल, किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/कौडिया।

जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। मगर अक्सर देखा जाता है कि सरकार द्वारा सड़कों के लिए स्वीकृत की जाने वाली राशि का निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सीयों द्वारा इस प्रकार से निर्माण किया जाता है कि वह जहां चंद दिनों में अपनी गुणवत्ता की कहानी स्वयं बताने लगी है, वही दूसरी ओर आम लोगों के लिए पेरशानी का कारण बनती है? कुछ इसी रपकार की सच्चाई इस समय स्टैट हाइवे माने जाने वाले गाडरवारा करेली मार्ग में भी देखी जा रही है। बताया जाता है कि जब इस सड़क का निर्माण हुआ था तो गांव के अंदर जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जो गुणवत्ता को अपराया गया था उसी समय क्षेत्र के अखबरों द्वारा गुणवत्ता की सच्चाई को उजागर करते हुए क्षेत्र के नेताओं से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहा है। मगर उस समय अधिकाकिारियों द्वारा बरती गई उदसीनता का परिणाम है कि इस सड़क पर निकल रहे गड्ढो के चलते जहां वाहन चलाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर लोगों की जान के लिए भी खतरा पैदा हो रहा है। करोड़ो रूपया की लागत से लागत ग्राम कौड़िया के अंदर बनाई गई सीमेंट सड़क में गुणवत्ता की अनदेखी किये जाने के कारण यह सड़क जगह जगह से टूटने लगी है। सड़क के बीचों बीच जानलेबा गड्ड़े निर्मित हो गए है, जिसके चलते यह गड्ढे राहगीरो के लिए जानलेबा सिद्ध हो रहे है, इस समय चल रहे बारिश के मौसम में सड़क पर निकले हुए गड्ढो में बरसात का पानी भरने के कारण दिखाई नही देते है और जब अचानक वाहन उनमें चला जाता है तो आये दिन छोटे वाहन चालकों को गिरते हुए देखा जाता है, इस सच्चाई को लेकर लगातार आबाज उठाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

तरेरा, कबीर चबूतरा में परिवहन जांच चौकी बंद होने से सैकडों कर्मचारी हुए बेराजगार

डिण्डौरी। जिले में अंर्तराज्यीय सीमा जांच चैकी को परिवहन मंत्रालय के द्वारा 30. जून 2024 को मध्य रात्रि से बंद कर दिया गया है । जिसको लेकर तरेरा ,कबीर चबूतरा में कार्यरत कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है । ज्ञापन में उल्लेख किया है कि कंप्यूटर हाउसकीपिंग एवं अन्य स्टाफ सैकड़ों की संख्या में बेरोजगार हो गए हैं जिसमें समस्त कर्मचारी के परिवार का पालन पोषण एवं आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। कर्मचारियों ने बताया है कि दस वर्षों से जांच चैकी में कार्य कर रहे हैं कुछ लोग तो ऐसे हैं जो अपनी आधी उम्र पार कर रहे हैं। ऐसे स्थित में कहीं अन्य जगह कार्य मिल पाना मुश्किल है और बरसात के मौसम में अचानक बिना सूचना दिए कार्य से हटा दिया गया है। जिससे घर परिवार चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति की बैठक हुई संपन्न

डिंडौरी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के नेतृत्व में भाजपा की वृहद प्रदेश का समिति की बैठक संपन्न हुई जिसका ध्येय वाक्य पूर्ण विजय का ऐतिहासिक प्रदर्शन कार्यकर्ता का समर्पण और जनता का समर्थन रहा सभी मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ रवीन्द्र भवन, भोपाल में मध्य प्रदेश भाजपा की श्विस्तारित प्रदेश कार्यसमितिश बैठक की शुरुआत हुई। भाजपा वरिष्ठ नेताओं ने रवीन्द्र भवन, भोपाल में मध्य प्रदेश भाजपा की श्विस्तारित प्रदेश कार्यसमितिश बैठक से पूर्व अपना डिजिटल पंजीयन किया। केन्द्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने रवीन्द्र भवन, भोपाल में मध्य प्रदेश भाजपा की श्विस्तारित प्रदेश कार्यसमितिश बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। वही डिंडोरी जिले से भाजपा जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैया के नेतृत्व में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

होटल का गंदा पानी फैल रहा सडक में

डिंडौरी। नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत पुरानी डिण्डौरी के मंडला स्टैड में होटल संचालको द्वारा गंदा पानी वार्ड 15 के सडक में बहाया जा रहा है। जिस पर आपत्ति दर्ज करते हुए वार्डवासियों ने 4 मार्च को नगर पंचायत में एक शिकायत पत्र दिया था लेकिन नगर पंचायत द्वारा कोई कार्यवाई नही की गई, जिससे वार्डवासियों में असंतोष व्याप्त है। वार्ड वासियों ने शिकायत में बतलाया था कि मंडला बस स्टैंड में संचालित होटल संचालको द्वारा उपयोग किया हुआ गंदा पानी पिछले हिस्से में सीसी रोड में बहाया जा रहा है । निकासी किया हुआ पानी सीसी रोड में फैलने के साथ साथ आस पास की बसाहट में भी जा रहा है जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। संचालको को गंदा पानी निकासी के लिए मना करने पर लडाई झगडा में अमादा रहते है। यहां के वाशिंदो का कहना है कि पानी निकासी में रोक लगायी जाये या वैकल्पिक व्यवस्था की जाये न करने की दशा में विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

पशुओं को घर में बांधकर रखने की अपील

अनूपपुर। वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से धान की बोनी प्रारंभ हो चुकी है। राजमार्गों एवं नगर पालिका क्षेत्रों में आवारा (निराश्रित) गौवंशज पशु विचरण करते देखे जा रहे हैं। उक्त पशुओं का जहां एक ओर सड़क दुर्घटना से मृत्यु होते देखे जा रहे हैं।

सरपंच पति व उपसरपंच पति को नियम विरूद्ध किया गया भुगतान

भंडार क्रय नियम का नही किया गया पालन
निर्माण कार्य अधूरे, मजदूरी और सामग्री की राषि आहरित
जनपद पंचायत डिण्डौरी की ग्राम पंचायत पोंडी का मामला

पंचायत राज अधिनियम का माखौल किस तरह उडाया जाता है इसकी बानगी जनपद पंचायत डिण्डौरी अन्तर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी माल में देखने मिल जायेगी।

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी।

जहां मनमानी का आलम यह है कि नियम विरूद्ध तरीके से सरपंच सचिव द्वारा अपने चहेतो को भारी भरकम शासकीय राषि का भुगतान कर दिया जाता है। ग्राम पंचायत द्वारा भंडार क्रय नियम का पालन किये बगैर सरपंच पति एवं उपसरपंच पति के खाते में बिल में आकस्मिक व्यय दर्षा भुगतान कर दिया गया। जबकि सरपंच पति और उपसरपंच पति के खाते बेनेफीसरी खाते है जिनमें नियमतः बेनेफीसरी (मजदूर) खाता में अधिकतम 25 हजार रूपये विषेष प्रयोजन या तत्कालीक व्यवस्था व्यय कि लिए राषि आहरण किये जाने का प्रावधान है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा नियम के विपरीत सरपंच पति के खाते में 96 हजार व उपसरपंच पति के खाते में 1 लाख 55 हजार रूपये का भुगतान कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत द्वारा 21 नवम्बर 2023 को पंचपरमेश्वर मद में सरपंच पति देवीसिंह का भुगतान हेतु बिल प्रस्तुत किया गया, जिसमें पाटनगढ में मुख्यमंत्री के आगमन के लिए वाहन आदि के व्यय के लिए 26 हजार रूपये घर-घर ध्वजा रोहरण कार्यक्रम हेतु आकस्मिक व्यय 20 हजार रूपये , ग्राम पंचायत पोड़ी माल में अन्य आकस्मिक कार्यालयीन व्यय हेतु 50 हजार रूपये कुल 96 हजार रूपये का बिल लगाकर सरपंच पति देवींसिह के खाते में भुगतान किया गया है। इसी तरह उपसरपंच पति परसराम नागेष के खाते में विकास पर्व हेतु आकस्मिक व्यय (टेंट,पानी, साउंड) 25 हजार रूपये , मतदान केन्द्र पोड़ी माल एवं नये गांव रैयत में मरम्मत कार्य (खिडकी, दरवाजा, लाईट) 1 लाख रूपये , नेट रिचार्ज पिछले पांच वर्ष (सचिव ग्राम पंचायत) 30 हजार रूपये कुल 1 लाख 55 हजार रूपये का दिनांक 21 नवम्बर 2023 को बिल लगाकर भुगतान किया गया है। सरपंच पति एवं उपसरपंच पति को भुगतान हेतु एक ही तिथि में बिल लगाया गया है। भंडार क्रय नियम में उल्लेख है कि 20 हजार रूपये मूल्य तक की वस्तुओं का क्रय बगैर कोटेषन के किया जा सकता है। इससे अधिक मूल्य की सामग्री के क्रय के लिए निविदा प्रकाषित कर टेंडर प्रक्रिया के तहत क्रय करने का प्रावधान है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा भंडार क्रय नियम का पालन नही किया गया और बेनेफीसरी खाते में भुगतान किया गया है। पंचायत द्वारा दो तरह के बेंडर खाते में भुगतान का प्रावधान है , जिसमें बेनेफीसरी एवं जीएसटी धारक ,बेनेफीसरी खाते में मजदूरी , तत्कालीक व्यय, सहित अन्य प्रयोजन व्यय शामिल है, जिसमें अधिकतम भुगतान 25 हजार रूपये तक किये जाने का प्रावधान है। वहीं जीएसटी धारक के खाते में असीमित भुगतान का प्रावधान है। लेकिन लगता है ग्राम पंचायत पोंड़ी माल के सरपंच सचिव पर क्रय भंडार नियम लागू नही होता। इनके द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते अपने चहेतो को भुगतान किया गया है। इस संबंध में ग्राम पंचायत के सचिव जोहन लाल कोरबा से पूछा गया तो उन्होने बतलाया कि अलग अलग किष्तो में भुगतान किया गया है । जब क्रय भंडार नियम के बारे में पूछा गया तो जबाव देने में असमर्थता जाहिर की गई। जानकारी के मुताबिक स्टेषनरी क्रय के लिए नियम विरूद्ध तरीके से उपसरपंच पति के खाते में 1 लाख 50 हजार का भुगतान किया गया था जिस संबंध में सीईओ जनपद पंचायत डिण्डौरी ने बतलाया कि इस बावद वसूली कार्यवाई प्रस्तावित करते हुए जिला पंचायत को प्रस्ताव भेज दिया गया है।

निर्माण कार्य अधूरे, राशि आहरित

ग्राम पंचायत में हितग्राही मूलक कार्यो में जमकर धांधली हुई है, शौचालय सहित कपिल धारा के तहत कूप निर्माण में राषि आहरण कर ली गई लेकिन मौके से निर्माण कार्य गायब है , यदि निर्माण कार्य कराये भी गये है तो अधूरे और उपयोगहीन है। ग्राम पंचायत के पोषक ग्राम गोयरा में बैगा हितग्राही शोभाराम पिता तितरा का कपिल धारा कुंआ की तकनीकि स्वीकृति 2021 में जारी की गई थी, जिसकी लागत 2 लाख 30 हजार रूपये है। कूप निर्माण तो नही कराया गया महज दो से तीन फीट की खुदाई की गई और सामग्री क्रय के लिए निर्धारित राषि 1 लाख 15 हजार में 75 हजार रूपये का आहरण कर लिया गया तथा मजदूरी भुगतान के लिए 1 लाख 15 हजार रूपये में 87 हजार 945 रूपये का आहरण हो गया है। जबकि मौके में कूप निर्माण के नाम पर महज दो से तीन फीट की खुदाई कर छोड दिया गया है।

इनका कहना है

आपके माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई इसकी जांच करायी जायेगी , दोषी पाने पर कार्यवाई के लिए प्रस्ताव भेजा जायेगा । स्टेषनरी क्रय मामले में वसूली कार्यवाई हेतु जिला पंचायत को प्रस्ताव भेजा गया है।

निखिलेष कटारे, मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डिण्डौरी

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वनविभाग ने रोपे पौधे

डिण्डौरी। सामान्य वन परिक्षेत्र बजाग के द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन, वन ग्राम चाडा में किया गया, इस अवसर पर बजाग जनपद अध्यक्ष फूलकली बाई ,कौशल्या कुशराम सरपंच खमहेरा, वि.ख. शिक्षा अधिकारी तीरथ परस्ते, भुरसी सरपंच सुभाष कुरचाम, बजाग वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक सिंह,डिप्टी रेंजर अजय मुकुंद पॉल , देवला सैयाम डिप्टी रेंजर,वनरक्षक अखिलेश दुबे,मिथलेश मार्को,नरेश मरावी,गणमान्य नागरिक, स्कूली छात्र छात्राओं सहित वनविभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। पौधारोपण कार्यक्रम के तहत वनग्राम में शहडोल पंडरिया राजमार्ग में चाडा जाने वाले तिराहे के नजदीक कक्ष क्रमांक 563 में , कक्ष क्रमांक 570 के दादर टोला में तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा एक-एक पौधो का रोपण किया गया है। इस दौरान परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा पेड़ो का हमारे जीवन में क्या महत्व है जिस पर प्रकाश डाला गया , साथ बताया गया की वृक्षो का पर्यावरण में विशेष योगदान है स्वच्छ पर्यावरण तथा संतुलन हेतु वृक्ष लगाना आवश्यक है, पेड़ो से हमे विटामिन युक्त मीठे फल,तपती गर्मी में शीतल छाव प्राप्त होती हैं वृक्षों को लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी करना बहुत आवश्यक है। पर्यावरण स्वच्छ रह सके और बीमारियों से बचाव हो सके जिस हेतु पर्यावरण को बचाने के लिए प्रत्येक नागरिक को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे। प्रकृति को नहीं बचाया गया तो आने वाले समय में पृथ्वी पर निवासरत सभी को जल एवं वायु संकट से जूझना पड़ेगा। अतः आम लोगों को प्रकृति की रक्षा करने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए इसी के साथ पर्यावरण को प्रदूषण से रोकना है तो पेड़ पौधे लगाना अति आवश्यक है। वहीं पेड़ पौधों से हमें विभिन्न प्रकार की औषधियां मिलती हैं।

जिले में चलाया जा रहा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की गयी है। एक पेड़ लोगों की जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। ताकि पर्यावरण स्वच्छ बना रहे। पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। जब हर एक व्यक्ति एक-एक पौंधा लगाए और उसकी सुरक्षा के लिए संकल्प लें। इसी कड़ी में डिंडौरी जिले में जिला प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रगति पर है एवं धरा को समृद्ध बनाने के लिए जिले के नागरिक उत्साह के साथ पौंधो का रोपण कर रहे है। शनिवार को 11 बजे नगर परिषद क्षेत्र की सीमा में स्थित शारदा टेकरी पहाडी स्थित है। जहां पर प्रशासन के द्वारा महत्वपूर्ण पेड पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अधिकारियों की भूमिका रही। पौधरोपण कार्यक्रम में प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश नीना आशापुरे ने पीपल, जिला न्यायाधीश शिवकुमार कौशल अर्जुन, सीजीएम चंदन सिंह नीम, तृतीय जिला न्यायाधीश कमलेश सोनी जामुन, जिला न्यायाधीश एवं कलेक्टर विकास मिश्रा नीम, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह ने भिलवा, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह गुलमोहर, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी नीम, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस पीपल, भाजपा जिला अध्यक्ष अवधराज बिलैया गुलमोहर के पौधे रोपित किए। कार्यक्रम में पार्षद रूपाली जैन, रितेश जैन, भागीरथ उरैती, सुशीला मार्को, रजनीश राय, शत्रुघन पाराशर, कुंवरिया बाई, नरबदिया, पुनीत जैन, वीरेन्द्र बिहारी शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष भीम अवधिया, अशोक अवधिया वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, कैलाश चंद जैन मीसाबंदी पूर्व जिलाध्यक्ष, राजेश्वर साहु, लक्ष्मी, राकेश सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में अधिकारी कर्मचारी जिला कोषालय, कलेक्ट्रेट, राजस्व, ग्रामीण यांत्रिकीय विभाग, पीएचई, खेल और युवा कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला पंचायत, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, न्यायालय विभाग, वन विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, सिंचाई विभाग, पुलिस विभाग, कृषि विभाग, जनपद पंचायत, लोक निर्माण विभाग एवं समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। कृषि विभाग के द्वारा कबीर आश्रम ग्राम धुर्रा में अशोक के 50 पौधे लगाए गए। कृषि विभाग शहपुरा में 30 अशोक के पेड़, बरगांव कांशी आश्रम 12 पेड़, कृषि ट्रेनिंग सेन्टर में 88 पेड़ जामुन, अमरूद, आम, गुलमोहर, नीम, बरगद, पीपल, महुआ, करंज, नीम एवं आणु बुखार के पौधे लगाए गए। शारदा टेकरी पहाड़ी पर 200 पौधारोपण किया। इसके साथ ही समस्त जनपद पंचायतों में भी काफी संख्या में लेगों ने पौधरोपण का कार्य किया। इसी प्रकार जिले के समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाकर पौधों का रोपण किया जा रहा है। गौरतलब है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत प्रदेश में 15 जुलाई तक साढे 5 करोड़ पौधो का रोपण किया जाएगा जिसमें डिंडौरी जिले में लगभग 5 लाख पौधे रोपित किये जाने का प्रयास जारी।

वन विभाग के द्वारा रोपित किए गए 1000 पौधे

अभियान के तहत वन विभाग द्वारा भी पौधो का रोपण किया गया , डी एफ ओ साहिल गर्ग ने बताया कि शारदा टेकरी को तीन साल के लिए वन विभाग ने टेक ओवर किया है। चारों तरफ फेंसिंग कराई जा रही है। शनिवार को लगभग 1000 पौधे ,आम,नीम,बरगद ,पीपल के लगाए गए। उन्होंने बताया कि शारदा टेकरी में तीन साल 5 हजार पौधरोपण किया जाएगा। इसी कड़ी में डीएफओ सामान्य साहिल गर्ग ने पीपल, डीएफओ उत्पादन हरिओम ने नीम, सुरेन्द्र जाटव आंवला, एसडीओ पंकज ने आम का पौधा रोपित किए। पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए।

जिला प्रशासन के प्रयासों से गाँव गाँव तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवायें

जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित हुए "रेवा हेल्थ कैंप"

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार जिले में "रेवा हेल्थ कैंप" का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 06 जुलाई को आयोजित रेवा कैंप के दौरान वार्ड नं. 03 डिंडौरी में, वार्ड नं. 14 शहपुरा, ग्राम पंचायत नुनखान जनपद पंचायत बालपुर रैयत में, ग्राम पोंड़ी जनपद पंचायत समनापुर में, ग्राम पंचायत रामगढ़ जनपद पंचायत अमरपुर में तथा ग्राम पंचायत अमठेरा जनपद पंचायत शहपुरा में लोगों ने स्वास्थ्य सेवा का लाभ लिया। प्रति शनिवार को आयोजित होने वाला रेवा शिविर के माध्यम से महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त प्रयासों से स्वास्थ्य सेवायें गाँव गाँव तक पहुंच रही है। आयोजित रेवा हैल्थ कैंप के दौरान 825 लोगों ने उपस्थित हुए जिसमें से 13 कुपोषित बच्चे, 2 सिकल सेल, 1 गर्भवती महिला चिन्हित किए। 348 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यकतानुसार को दवाईयां वितरण किए गए एवं 150 लोगों को आयुष विभाग से लाभान्वित किया गया। रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण निवारण के लिए पोषण प्रदर्शन, शारीरिक माप सेरेपल्स पावडर वितरण किया जा रहा है।जिसमें बच्चों के आयु के अनुसार उचित वृद्धि ना होना, उनमे पोषक तत्व की कमी को प्रदर्शित करता है, बच्चों को चिन्हित करने में बाद आंगनबाडी कार्यकर्त्ताओं द्वारा निरंतर फॉलोअप लिया जाता है जिससे बच्चे सैम श्रेणी से मैम श्रेणी, मैम श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आ रहे है। रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला स्वास्थ्य, माताओं की देखभाल, धात्री माताएँ सहित अन्य लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें रहे है। महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर रूप से माताओं और बच्चों के पोषण आहार पर महत्वपूर्ण सलाह देता है,जिससे दवा के साथ स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता बढे।आंगनवाड़ी द्वारा वितरित किया जाने वाला टीएचआर का उपयोग कर विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से बच्चों में भोजन के प्रति रूचि बढ़ाई जाती है। रेवा कैंप एक विशेष प्रयास है जिसमें स्वास्थ्य विभाग बीपी शुगर सिकलसेल, एनीमिया, आदि गंभीर रोगों की जाँच कर उनका उपचार कर रहा है। आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेदिक दवाएं दी जाती है। शिविर में सीईओ सीडीपीओ, डॉक्टर, पर्यवेक्षक, सीएचओ, सचिव, जीआरएस, कार्यकर्त्ता सहायिका आशा, पंचायत विभाग, राजस्व, कृषि, पीएचई और अन्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। रेवा हेल्थ कैंप के माध्यम से कुपोषण की पहचान की जा रही है, जिसमें बच्चों के आयु के अनुसार उचित वृद्धि ना होना, उनमे पोषक तत्व की कमी को प्रदर्शित करता है, बच्चों को चिन्हित करने के बाद आंगनबाडी कार्यकर्त्ताओं द्वारा निरंतर फॉलोअप लिया जाता है। रेवा स्वास्थ्य कैंप में महिला स्वास्थ्य, माताओं की देखभाल, धात्री माताएँ सहित अन्य लोग भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें रहे है। आयुष विभाग वात, पित्त और कफ में संतुलन बनाकर रोगियों का उपचार करता है, जिससे सम्बंधित बीमारियां पूरी तरह ठीक हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग निरंतर रूप से माताओं और बच्चों के पोषण आहार पर महत्वपूर्ण सलाह देता है, जिससे दवा के साथ स्वस्थ आहार के प्रति जागरूकता बढे। आंगनवाड़ी द्वारा वितरित किया जाने वाला टीएचआर का उपयोग कर विभिन्न व्यंजनों के माध्यम से बच्चों में भोजन के प्रति रूचि बढ़ाई जाती है। स्वास्थ्य विभाग बीपी शुगर आदि गंभीर रोगों की जाँच कर उनका उपचार कर रहा है। रेवा कैंप एक साँझा प्रयास है जिसमें सभी विभाग अपनी भूमिका निभा रहे है।

अव्यवस्थाओं के बीच संचालित हो रहे आंगनबाडी और स्कूल

जर्जर छत के नीचे भविष्य सवांर रहे नौनिहाल, अनहोनी का अंदेषा
करंजिया विकास खंड के जामपानी का मामला

हरिभूमि न्यूज डिण्डौरी।

जिले में शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है स्कूलो में कहीं शिक्षक की कमी है तो कही शिक्षक है लेकिन शाला भवन जर्जर है । सरकार शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के लिए अनेको योजनायें संचालित कर रही है। लेकिन जमीनी हकीकत सामने आने के बाद योजनायें कहा संचालित इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है, भवन मरम्मत सहित विद्यार्थियों के लिए सुविधा मुहैया कराने के लिए करोडो रूपये खर्च होते है लेकिन हालात में सुधार नजर नही आ रहा है। इसका उदाहरण देखने मिला बैगा आदिवासी बाहुल्य जामपानी गांव में जहां अव्यवस्थाओं के बीच सरकारी स्कूल व आंगनवाड़ी का संचालन किया जा रहा है। दरअसल जामपानी गांव में प्राथमिक शाला एवं आंगनवाड़ी केंद्र के भवन की हालत इतनी खस्ता हो चुकी है की किसी भी वक्त धराशाई हो सकता है। बावजूद इसके जर्जर भवनों में ही पढाई के नाम पर नौनिहालों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बारिश के मौसम में स्कूल व आंगनवाड़ी भवन की छत पानी से लबालब हो जाती है ,जिसके कारण कमरों के अंदर पानी टपकते रहता है । लिहाजा छत में जमा हुए बारिश के पानी की निकासी के लिए छत में बड़ा छेद करके पाईप लगा दिया गया है जिससे छत में जमा कुछ पानी बाहर निकल जाता है। आंगनवाड़ी केंद्र व प्राथमिक शाला भवन की दीवारों में मोटी मोटी दरारें पड़ गई हैं तो वहीं छत पूरी तरह से खराब हो चुकी है जिसके कारण छत का मलबा चाहे जब गिर जाता है। आंगनवाड़ी में पदस्थ कार्यकर्ता एवं स्कूल में तैनात शिक्षक भी मानते हैं की भवन की हालत बेहद खस्ता है और किसी भी वक्त धराशाई हो सकता है लेकिन जिम्मेदार विभाग के अधिकारी सबकुछ जानकर भी अंजान बने बैठे हैं।

खबर संक्षेप

बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने हेतु आवेदन आमंत्रित

नरसिंहपुर। वर्ष 2024 की खरीफ फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने तेंदूखेड़ा, करेली एवं गाडरवारा तहसील के संबंधित लगभग 152 ग्रामों के किसानों से 31 जुलाई 2024 पूर्व मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि नहरों से खरीफ फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में मुख्य नहर की आरडी 130.670 से 135.500 किमी तक वितरण प्रणालियों में क्रमशरू सडूमर शाखा नहर, डुंगरिया वितरण नहर एवं उसकी समस्त माइनरध् सब माइनर की 1500 हेक्टर भूमि में निर्मित नहर प्रणाली से खरीफ फसलों की सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग क्रमांक एक करेली ने दी है। इस सिलसिले में कार्यपालन यंत्री ने संबंधित ग्रामों के किसानों से आग्रह किया है कि वे जल उपभोक्ता संथा शाहपुर, पनारी, बोहानी, कोड़िया, चिरहकला, भैंसा, खैरीकला, डुंगरिया, ढाड़िया, चिरचिरा, भौरझिर, बिलौनी, कुसमी, खुलरी, कनवास, हरई, मोहद, सडूमर, बटेसरा, करेली, रांकई व बम्होरी आदि के समस्त किसान कार्यपालन यंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग करेली, पनारी, मोहद व बोहानी को 31 जुलाई के पूर्व तक माग पत्र एवं अनुबंध पत्र प्रस्तुत कर सिंचाई का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे नहरों के ऊपर तथा नहर सीमा- बारो एरिया में फसल नहीं लगाई जावे। नहरों की सीमा में फसल लगाये जाने पर होने वाले किसी भी नुकसान के लिए स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।

मूँग एवं उड़द के उपार्जन कार्य के लिए उपार्जन केंद्रों का निर्धारण

नरसिंहपुर। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा उपार्जन नीति और भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतग्रत वर्ष 2024 विपणन वर्ष 2024- 25 में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन का कार्य 24 जून से 31 जुलाई 2024 तक की अवधि में किया जाना है। उपार्जन समिति द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार वर्ष 2024 विपणन वर्ष 2024- 25 में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के उपार्जन कार्य के लिए जिले में 41 गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। उपार्जन अवधि के दौरान कलेक्टर ने उपार्जन संस्थाओं कृषकों को आने वाली समस्याओं के लिए निराकरण के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता अंतिम तिथि आज

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद एवं स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2024 का आयोजन जिला स्तर पर 27 जुलाई 2024 शनिवार को किया जा रहा है। विद्यालय प्राचार्य प्रबंधन द्वारा प्रतियोगिता के इच्छुक विद्यालयों के 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को 3 सदस्यीय टीम का गठन करके पंजीयन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कलाएं, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरूषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से छात्रों को अवगत कराने तथा पर्यटन के माध्यम से जागरूक कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता के अंतर्गत 5 जुलाई 2024 तक जिले के कुल 153 विद्यालयों द्वारा मप्र टूरिज्म बोर्ड के पोर्टल पर पंजीयन किया गया है, इनमें 147 शासकीय एवं 6 प्राइवेटध् निजी विद्यालय शामिल हैं। विद्यालय प्राचार्य प्रबंधन द्वारा क्विज प्रतियोगिता के लिए टीम का पंजीयन 8 जुलाई 2024 सायं 5.30 बजे तक।

परिवार की कलह बनी वजह, वृद्ध ने लगाई फांसी

ससुर पर बहू ने लगाया दुष्कर्म का आरोप

नरसिंहपुर। विगत दिवस वृद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मामले की वजह परिवारिक कलेश बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मामला पारिवारिक कलह का है। यहां बहू ने अपने ससुर पर दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगाया है। इसकी शिकायत पुलिस थाने में भी की गई है। इससे आहत होकर ससुर ने फांसी लगाकर आत्म्महत्य्या कर ली। इस मामले में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी दोनों पक्षों के बीच चल रहा है। परिजनों द्वारा पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। हालाकि उक्त घटना के बाद परिवार मे शोक माहौल व्याप्त है।

मामला इस प्रकार

बहू के बलात्कार के आरोप और पुलिस थाने में इसकी शिकायत करने से दुखी होकर ससुर ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस के अनुसार मामला नरसिंपुर जिले के थाना करेली अंतर्गत ग्राम अन्डिया का है। जहां पर 60 वर्षीय हकीम खान ने पारिवारिक कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान हकीम खान के रूप में हुई है। मर्ग कायम कर जांच विवेचना में ली गई है। परिजनों के अनुसार मृतक पर उसकी छोटी बहू द्वारा मारपीट और दैहिक शोषण की शिकायत महिला थाने में की गई थी। जिससे आहत होकर वृद्ध द्वारा आत्महत्या कर ली गई।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

बहू की शिकायत पर पुलिस ने मामला कायम कर जांच मे लिया गया। जिस पर आरोप लगने की ग्लानि पर वृद्ध ससुर ने फासी लगा कर आत्महत्या कर ली। इसके साथ ही परिजनों ने बहू पर आरोप लगाते हुए मृतक हकीम खान के बड़े बेटे अजीम खान ने बताया कि 22 जून को छोटे भाई नजीम खान की पत्नी ने परिवार के 7 सदस्यों पर बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी थी। अब देखना होगा कि पुलिस की जांच मे क्या सामने आता है। वृद्ध की मौत के बाद परिवार मे शोक का वातावरण बना हुआ है पुलिस शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच मे जुटी हुई है।

परजिनों द्वारा जांच की मांग

बीत सप्ताह पिता पर उसने अपने मायके पक्ष के लोगों के साथ मिलकर शिकायत करते हुए झूठा मामला भी बनवाया था, जिससे उसके पिता काफी व्यथित थे। एक दिन पहले ही सभी ने उन्हें काफी समझने की कोशिश भी की थी कि सब ठीक हो जायेगा, लेकिन लगातार छोटे भाई की पत्नी व उनके परिजनों के दबाव में आकर पिता ने आत्महत्या कर ली। फंदे पर झूलने के पहले उन्होंने उसी बहू और उसके मायके के लोगों के नाम भी सुसाइड नोट में उजागर किए हैं। परिवार वालों का कहना है, कि पुलिस से हमें न्याय की आस है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि हमारे निर्दोष पिता पर लगे आरोप का सच सबके सामने आना चाहिये।

जिले में किया जा रहा वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण

नरसिंहपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले के विकासखंड चीचली के सालीचैका रोड पर पौधरोपण किया। ग्राम बसुरिया में कदम, बदाम, शीशम, अशोक आदि के पौधों का रोपण किया। ग्राम पंचायत बसुरिया एवं नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया के ग्राम में वृहद पौधरोपण किया गया। यह पौधरोपण कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, मप्र जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक जयनारायण शर्मा व सीईओ जनपद पंचायत के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान पौधरोपण व उसकी देखभाल- सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर जयप्रकाश वर्मा, हाकम सिंह वर्मा, अन्य जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी मौजूद थे। अभियान के तहत नवांकुर सखी मिलन महिला संघ करेली द्वारा स्थानीय श्रीधाम कालोनी के गार्डन में आम, निम्बू, बेल एवं जामुन के पौधों का रोपण किया। कॉलोनी की श्रीमती सावित्री कौरव ने सभी पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली। इस दौरान नवांकुर सखी मिलन महिला संघ समन्वयक मीनू मण्डलोई, सुभाषवार्ड प्रस्फुटन समिति से किरण अग्रवाल और अन्य मौजूद थे। पौधरोपण करने और उनकी सुरक्षा व देखभाल की शपथ भी दिलाई गई। अभियान के तहत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति तेंदूखेड़ा द्वारा उप स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी एवं घरों में पौधरोपण किया। इस समिति के सदस्य मौजूद थे।

सबमएप द्वारा बालिका सम्मान समारोह आयोजित

नरसिंहपुर। गत दिवस सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद द्वारा कक्षा दसवीं की 16 बालिकाओं एवं कक्षा बारहवीं की 20 प्रतिभावान बालिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पीजी कालेज ऑडिटोरियम में किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती वंदना मोनिका तिवारी व प्रियंका गोस्वामी तथा गणेश वंदना श्रीमति कामिनी दुबे ने प्रस्तुत की। कक्षा 10वीं एवं 12वीं में अस्सी प्रतिशत और इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं को शील्ड, प्रमाण पत्र एवं उनकी माताजी को शाल, श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम परिषद की जिला अध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे की अध्यक्षता, सुश्री अनुराधा भार्गव के मुख्य आतिथ्य, विशिष्ट अतिथि श्रीमती गीता दुबे, श्रीमती मालती त्रिवेदी, श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती सरला पांडे, श्रीमती उर्मिला भाटली, अरुणा दुबे, करेली से श्रीमती नीतू आचार्य, श्रीमती प्रियंका खेमरिया की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

विद्यार्थियों को एसपी ने यातायात, अपराध की दी जानकारी

नरसिंहपुर। गत दिवस पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने चावरा विद्यापीठ में अध्ययनरत बच्चों से मुलाकात कर परिचय प्राप्त किया एवं अपने अनुभव साझा करते हुए पढ़ाई का महत्व बतलाया। उन्होंने कहा कि अपने सपनों को पूरा करने सच्चा परिश्रम जरूरी है। पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को नवीन कानूनों, यातायात के नियमों व सायबर अपराध के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। श्री कुमार ने बच्चों को सायबर अपराध से सजग रहते हुए उनसे बचने के तरीके भी बताये। हरित क्षेत्र में वृद्धि कर पर्यावरण को स्वच्छ और प्रकृति को प्राणवायु से समृद्ध करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण के लिए जन-सामान्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान एक पेड़ माँ के नाम के तहत पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने चावरा विद्यापीठ के बच्चों के साथ वृक्षारोपण किया एवं आमजनों से अधिक से अधिक से वृक्षारोपण करने की अपील की। पुलिस अधीक्षक द्वारा चावरा विद्यापीठ के भ्रमण के दौरान स्कूल में चलने वाली बसों को चैक किया गया एवं संचालकों को निर्देश दिए गए कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जावें एवं बसों में समस्त सुरक्षा उपकरण रखे जावे। साथ ही थाना प्रभारी एवं यातायात प्रभारी को निर्देश दिए गए कि बस ड्राईवर एवं कंन्डेक्टरों का चरित्र सत्यापन कराया जावे एवं बसों के समस्त आवश्यक दस्तावेजों को चैक किया जावे।

एनसीसी शिविर में कैडिट्स ने किया योग

नरसिंहपुर। मनुष्य के व्यक्तित्व में निहित स्वंय की शक्तियो का ज्ञान ही योग है। उक्ताश्य के उद्गार वरिष्ठ योगाचार्य आशीष नेमा ने कैम्प कमान्डेंट कर्नल विवेक भटारा, कमान अधिकारी 1 म प्र बटालियन एनसीसी जबलपुर द्वारा संचालित संयुक्त वार्षिक शिविर झौतेश्वर में एनसीसी कैडिट्स, को योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये। उल्लेखनीय है कि एनसीसी कैडिट्स ने योग के महत्व एव विभिन्न योग आसन, प्राणायाम एंव सूर्य नमस्कार की मुद्राओ को दैनिक जीवन में आत्मसात किया। डिप्टी कैम्प कमान्डेंट कर्नल समीर बोडस द्वारा योगाचार्य आशीष नेमा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आगे चरण में फौर्स डिफेंस एकेडमी इंदौर के प्रतिनिधि लखन यादव द्वारा कैडिट्स को तीनो सेनाओं में कमीशन अफसर के रूप में अपना भविष्य बनाने हेतु तैयारी और तकनीकी बिंदूओ के संबध में जानकारी एंव प्रेरणा प्रदान की गई। तत्पश्चात नरसिंहपुर नगर पालिका के फायर फाइटिंग दल प्रभारी रामकुमार नामदेव एंव सहायक सूरज गोहेरा द्वारा अग्निशमन उपकरणो का उपयोग विषय पर व्याख्यान दिया गया। सहायक प्रभारी राजा भैया जाट, सहायक नीलेश वंशकार एव मोहन लाल बरमैया द्वारा आपातकालीन और आग की स्थिति काबू करने के उपाय तथा फायर ब्रिगेड से डेमो दिया गया। दैनिक व्याख्यान की श्रंखला में कैम्प एडजूडेन्ट मेजर डॉ पराग नेमा द्वारा बेनीफिट्स ऑफ एनसीसी विषय पर व्याख्यान दिया गया। रचनात्मक गतिविधियो के अन्तगत वैचारिक मथन के उद्देश्य से शिविर के छटवें दिन लैंगिक समानता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैडिट्स को एनसीसी सर्टिफिकेट परीक्षाओं की तैयारियो हेतु पी आई स्टाफ द्वारा ड्रिल, मेप रीडिंग, युद्ध एंव क्षेत्र कला वेपन ट्रेनिंग आदि विषयो का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उत्साह के साथ निकली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा

नरसिंहपुर। उड़ीसा के पुरी में 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथजी, सुभद्राजी एवं बलराम जी की रथयात्रा निकाली गई। इसी उपलक्ष्य में नगर में विभिन्न स्थानों पर रथयात्रा निकाली गई। स्थानीय झिरना क्षेत्र में स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर से रथयात्रा प्रारंभ हुई और नगर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण किया। रथयात्रा में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इसी प्रकार कंदेली स्थित राम मंदिर से भी भगवान की रथयात्रा निकाली गई जो नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए गुजरी। रथयात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत कर भगवान की आरती उतारी एवं प्रसाद वितरित किया।

शवदाह हेतु जलाऊ लकड़ी की किल्लत

तेंदूखेड़ा- इन दिनों तेंदूखेड़ा में शवदाह के लिए जलाऊ लकड़ी की किल्लत होने लगीं है। चूंकि पूर्व में यहां पर कुछ समाजसेवियों द्वारा जलाऊ लकड़ी क्रय करके निशुल्क व्यवस्था की जाती थी लेकिन उनके द्वारा अब इस व्यवस्था से अपने हाथ खींच लिए हैं इस कारण से पीड़ति वर्ग को शव दाह के लिए जलाऊ लकड़ी के लिए परेशान होना पड़ता है। तत्काल मुंह मांगे दामों पर लकड़ी खरीदने के बाद ही शवदाह हो पाता है। वन विभाग में भी अब यह व्यवस्था नहीं रहती है जिस कारण से परेशान होना पड़ता था।कोविड काल से लेकर कुछ समय पूर्व तक यह व्यवस्था निशुल्क चलने के कारण सभी लोग निश्चिंत रहा करते थे लेकिन पीड़ति वर्गों में चिंता की लकीरें देखने को मिलती हैं। चूंकि वन विभाग चिट्ठा खरीद कर व्यवस्था बनाने तैयार तो हुआ था लेकिन भुगतान की समस्या और प्रभावशालीयों के फोन के कारण लोग मनमाने तरीके से लकड़ी उठा कर ले जाने अनावश्यक अपव्यय के चलते यह व्यवस्था बंद कर दी गई है।

गरीबों के कल्याण में सहायक होगी योजना

नरसिंहपुर। जिले के अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना संचालित की है। संत रविदास स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक लाख से 50 लाख रुपये तक की उद्योग परियोजना में एग्रो प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग और एक लाख से 25 लाख तक सेवा इकाई एवं खुदरा व्यवसाय में ब्यूटी पार्लर, वाहन मरम्मत, फुटवेयर मरम्मत, किराना व्यवसाय, कपड़ा व्यवसाय आदि शामिल है। आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष, आवेदक आयकर दाता न हो और वह पूर्व से शासकीय योजना का लाभ प्राप्त न किया हो। ब्याज अनुदान अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरितध् शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं मप्र शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। इसी प्रकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक की स्वरोजगार योजना के लिए हितग्राही की आयु 18 से 55 वर्ष, आवेदक आयकर दाता न हो, और पूर्व से शासकीय योजना का लाभ प्राप्त न किया हो। आवेदक द्वारा समस्त पद पोर्टल से आवेदन किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए कलेक्ट्रेट भवन स्थित जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित नरसिंहपुर में सम्पर्क किया जा सकता है। यह जानकारी कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित नरसिंहपुर ने दी है।

बिरसा मुण्डा स्वरोजगार एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना

नरसिंहपुर। जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक लाख से 50 लाख रुपये तक की उद्योग परियोजना में एग्रो प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग और एक लाख से 25 लाख तक सेवा इकाई एवं खुदरा व्यवसाय में ब्यूटी पार्लर, वाहन मरम्मत, फुटवेयर मरम्मत, किराना व्यवसाय, कपड़ा व्यवसाय आदि शामिल है। इसमें आवेदन की आयु 18 से 45 वर्ष, आवेदक 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। ब्याज अनुदान अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरितध् शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं मप्र शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी।

आवारा मवेशियों की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए गौ अभ्यारण्य एक मात्र विकल्प

तेंदूखेड़ा- इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में आवारा मवेशियों की समस्याएं फिर सामने आने लगी है।वर्ष भर इन मवेशियों को गुपचुप तरीके से कत्ल खाने चले जाने के साथ सैकड़ों मवेशी बाहन दुर्घटना में असमय काल के गाल में समा जाने के उपरांत वरसात के दिनों में पशुपालकों द्वारा बांधने छोड़ने और चारे भूसा की समस्या के चलते तेंदूखेड़ा तरफ छोड़कर चले जाते हैं। बहुत मवेशियों की सेहत अच्छी देख कुछ मौकापरस्त लोग जो ऐसे आवारा मवेशियों को देख आस पास के मवेशी बाजार में जाकर बेंच देते हैं।या कुछ मवेशी जंगली क्षेत्रों में भाग जाते हैं।तो कुछ मवेशी बड़े समूह झुंडों को देख स्वयं शामिल हो जाते हैं। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में आज यही स्थिति बनीं हुई है।आये दिन बड़ी संख्या में मवेशी सड़क दुर्घटनाओं में काल के गाल में समाते चले जा रहे हैं। यही मवेशी कुछ दिनों बाद खरीफ मौसम की फसलों को अपना निवाला बनायेंगे।कृषक भी परेशान होंगे।इन सभी समस्याओं से निजात दिलाने की दिशा में तेंदूखेड़ा के समीप ऊमरपानी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली दाने बाबा की पहाड़ी या मर्रावन ग्राम पंचायत के अंतर्गत उपयुक्त स्थान साबित हो सकता है। जहां चारे पानी की व्यवस्था के साथ हजारों मवेशियों को सुविधाओं के साथ पनाह स्थली बनाई जा सकती है।पूर्व में भी इस तरह की जानकारी ज्ञापनों के माध्यम से जवाबदार पक्षों को भी दी गई थी। लेकिन यह विषय नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह गई।

शोपीस बनकर रह गई गौ शालायें

शासन के द्वारा जिस उद्देश्य को लेकर उक्त गौ शालाओं का गांव गांव निर्माण कराया गया था वह अपने उद्देश्य से भटककर केवल शोपीस बनकर रह गई है। इन गौ शालाओं की आड़ में कुछ पंचायतें केवल अपनी उदर पूर्ति का जरिया मान बैठी है तो कुछ संचालन करने वाले समूह अपनी बपौती समझ बैठे है।जिस क्षमता से इन गौ शालाओं को बनाया गया है उनमें चारे भूसा पानी का बहाना बनाकर केवल स्वयं के मवेशी बांधे छोड़े जा रहे हैं वाकी सब सड़कों पर आवारा मवेशी के रूप में दिखाई दे रहे हैं।केवल गौ माता का दिखावा करने वालों की ही इच्छा शक्ति की बजह से ही आज गौ माता यहां वहां भटक रही है।केवल एक गौ शाला निर्माण की राशि मात्र ही यदि यहां खर्च हो जाती तो एक अभ्यारण्य शुरू हो सकता है। छाया के लिए चार पांच बड़े शेड पानी को अलग-अलग टांक और तार बाड़ी से ही बहुत कुछ काम बन जाएगा। तेंदूखेड़ा और आस पास के जितने भी आवारा मवेशी यहां वहां विचरण किया करते हैं।वे सभी यहां पर छोड़े जा सकतें हैं।केवल कसाईयों और उनको संरक्षण देने वाले दानवों से बचाव करने भर निगरानी की जरूरत होगी। इस व्यवस्था में गौ सेवको को भी जवाबदारी मील का पत्थर साबित हो सकती है।

चल रहा बाल संवर्धन एवं संरक्षण अभियान

तेन्दूखेड़ा- सिविल न्यायालय तेन्दूखेड़ा की तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तहसील तेंदूखेड़ा में 2 से 6 जुलाई के बीच चलाये जा रहे बाल संवर्धन एवं संरक्षण अभियान के अंतर्गत विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट माननीय अरविंद मीणा विद्यालय के प्राचार्य वरिष्ठ अध्यापक शाला के समस्त शिक्षकगण न्यायालयीन कर्मचारीगण एवं समस्त छात्राएं उपस्थित रहीं। इस मौके पर मजिस्ट्रेट श्री अरविंद मीणा, द्वारा शिविर में उपस्थित समस्त छात्राओं को बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई एवं छात्राओं को उनके मूल अधिकारों के विषय में सजग करते हुए उन्हें जागरूक किया गया। साथ ही कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को उनके लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु शुभकामनाओं सहित निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदय एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित अध्यापकों छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।